

केलकता। वारम मोर्चे ने आज कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को अपना 'अहंकर' छोड़ कर दार्जिलिंग संकट के हल के लिए गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के साथ वार्ता करनी चाहिए।

वाम मोर्चा के अध्यक्ष विमान बोस ने आज कहा, "राज्य सरकार को अपना अहंकर छोड़ कर जीजेएम के वार्ता के लिए मनाने की पहल करनी चाहिए। जीजेएम के वार्ता के लिए तैयार करना राज्य सरकार का दायित्व है।"

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी :माकपा: के राज्य सचिव बोस ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार, जीजेएम और केंद्र सरकार के बीच हुए कत्रपित्रीय समझौते के तहत दार्जिलिंग में पर्वतीय परिषद 'गोरखा क्षेत्रीय प्रशासन' का गठन हुआ था, इसलिए राज्य सरकार इस वार्ता के लिए दिल्ली से प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर सकती है।

बोस ने कहा कि राज्य सरकार को पहली इलाकों में रह रहे लोगों के व्यापक हित में यह कदम उठाना चाहिए।

भाषा